



जापानी एनसिफेलिटिस

Japanese encephalitis

जापानी एनसिफेलिटिस क्या है?

जापानी एनसिफेलिटिस एक दुर्लभ परन्तु गंभीर संक्रमण है जो जापानी एनसिफेलिटिस द्वारा उत्पन्न होता है। यह संक्रमित मच्छरों द्वारा मानवों में फैलता है।

जापानी एनसिफेलिटिस के लक्षण क्या हैं?

अधिकांश लोग जिन्हें जापानी एनसिफेलिटिस होता है, उनमें लक्षण नहीं आते हैं।

कुछ लोगों में लक्षण आ सकते हैं जैसे कि:

- बुखार
- सिरदर्द
- उल्टी आना

गंभीर संक्रमण से ग्रस्त लोग (हरेक 250 में से 1) को इस प्रकार के लक्षण आ सकते हैं:

- गर्दन में अकड़न
- स्थितिभ्रान्ति
- झटके
- कोमा
- दौरे
- पक्षाघात

यदि आपको इनमें से कोई लक्षण आते हैं, तो तुरंत किसी डॉक्टर से संपर्क करें, या आपातकालीन स्थिति में ट्रिपल ज़ीरो (000) पर कॉल करें या अपने सबसे नजदीकी एमर्जेंसी डिपार्टमेंट जाएँ।

जिन लोगों को गंभीर संक्रमण होता है, उनमें से कुछ को आजीवन न्यूरोलॉजिकल (तंत्रिका संबंधी) समस्याएँ हो सकती हैं या यहाँ तक कि मृत्यु भी हो सकती है।

यदि आपको लक्षण आते हैं, तो वे संक्रमित मच्छरों द्वारा काटे जाने के 5 से 15 दिनों के बाद सामने आ सकते हैं।

जापानी एनसिफेलिटिस वायरस कैसे फैलता है?

यह तब फैलता है जब कोई मच्छर किसी ऐसे जानवर (जैसे सूअर या जलपक्षी) को काटता है जिसमें जापानी इंसेफेलाइटिस वायरस होता है और फिर वह मच्छर इंसान को काटता है।

जापानी एनसिफेलिटिस वायरस किसी एक मनुष्य से किसी दूसरे मनुष्य में पारित नहीं होता है। किसी संक्रमित जानवर को छूने या जानवर उत्पाद खाने से इंसानों को जापानी एनसिफेलिटिस वायरस नहीं हो सकता है।

जापानी एनसिफेलिटिस वायरस से ग्रस्त होने की अधिक संभावना किसे है?

जिन लोगों को जापानी एनसिफेलिटिस वायरस से ग्रस्त होने की अधिक संभावना है, उनमें शामिल हैं:

- जो लोग उच्च-खतरे वाले बाहरी क्षेत्रों में काम या गतिविधियाँ करते हैं (जैसे कि कैम्पिंग, फिशिंग, हाइकिंग, बागवानी)।
- सूअर पालने के स्थानों पर काम करने वाले या इसके पास रहने वाले लोग (मच्छर से संक्रमित होने पर सूअरों में वायरस के उच्च स्तर आ सकते हैं, तथा यदि और अधिक मच्छर उन्हें काटते हैं तो वे भी संक्रमित हो सकते हैं)

आपको यह कैसे पता चलता है कि आपको जापानी एनसिफेलिटिस है?

यदि आपको ऊपर सूचीबद्ध लक्षण हैं, तो वायरस का पता लगाने के लिए डॉक्टर एक टेस्ट कर सकता है। डॉक्टर रक्त या रीढ़ की हड्डी के तरल पदार्थ के नमूनों में जापानी एन्सेफलाइटिस के प्रति एंटीबॉडी के स्तर को भी माप सकता है।

जापानी एनसिफेलिटिस का इलाज कैसे किया जाता है?

जापानी एनसिफेलिटिस का कोई विशिष्ट इलाज नहीं है। जिन रोगियों में लक्षण होते हैं, उन्हें अस्पताल सहायता और कभी-कभी इंटेंसिव केयर की आवश्यकता पड़ती है।

जापानी एनसिफेलिटिस वायरस से कैसे बचें?

जापानी एनसिफेलिटिस से बचने का सबसे अच्छा तरीका मच्छरों द्वारा काटे न जाना है।

अपनी सुरक्षा करें:

- कीट निरोधकों का प्रयोग करें। सबसे अच्छे मच्छर निरोधकों में diethyltoluamide (DEET), picaridin, या नींबू नीलगिरी का तेल होता है
- बाहर जाने पर लंबे, खुले और हल्के रंग के कपड़े पहनें और ऐसे जूते पहनें जो आपके पैरों को पूरी तरह ढकते हों
- प्रातःकाल: और संध्या के समय बाहर ज्यादा समय न बिताएं जब मच्छर सबसे अधिक सक्रिय होते हैं
- सभी खिड़कियों, दरवाजों, झरोखों और अन्य प्रवेश द्वारों को इन्सेक्ट स्क्रीन से ढक दें
- अपने घर के आस-पास पानी का भण्डार करने वाले किसी भी कंटेनर को हटा दें जहां मच्छर पैदा हो सकते हैं
- कमरों को साफ करने और किसी क्षेत्र से मच्छरों को दूर भगाने के लिए कीटनाशक स्प्रे, वाष्प वितरण इकाइयों (अंदरूनी क्षेत्र), और मच्छर कॉइल (बाहरी क्षेत्र) का उपयोग करें
- अगर आप कैम्पिंग के लिए जा रहे/ही हैं तो मच्छरदानी या स्क्रीन का इस्तेमाल करें

जापानी एनसिफेलिटिस का 2 टीकाकरण

जापानी एनसिफेलिटिस का टीका 2 महीने और इससे अधिक आयु के लोगों के लिए सुरक्षित और प्रभावी है।

उन लोगों के लिए टीकाकरण का सुझाव दिया जाता है जिन्हें जापानी एनसिफेलिटिस से ग्रस्त होने का सबसे अधिक खतरा होता है।

निःशुल्क टीका कौन लगवा सकता है, इसके बारे में और अधिक सीखें।

उच्च खतरे वाले देशों की यात्रा करने वाले कुछ लोगों को भी टीका लगवाने का सुझाव दिया जाता है।

यदि आपको लगता है कि आप टीका लगवाने में सक्षम हो सकते/ती हैं, तो आज ही अपने स्थानीय चिकित्सक से बात करें। यदि आपको भाषाई सहायता की आवश्यकता है, तो अनुवाद और दुभाषिया सेवा (Translating and Interpreting Service) (TIS) को 131450 पर कॉल करें और उन्हें Healthdirect को 1800 022 222 पर कॉल करने के लिए कहें।